वक्ताओं की ओर से ग्लोबल वेल बीइंग पर दिया गया ज़ोर

- यूपीईएस के सस्टेनेबिलिटी फेयर 2.0 का किया गया आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

मुख्य सचिव डॉ सुखबीर सिंह संधू को सम्मानित करते यूपीईएस के पदाधिकारी।

देहरादून। यूपीईएस स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग की ओर से स्वास्थ्य, सुरक्षा, आग और पर्यावरण के क्षेत्र में प्रगति पर आधारित चौथी इंटरनेशनल सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस की गई है। इस दौरान ग्लोबल वैल-बींग पर ज़ोर दिया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शोधकर्ताओं, पेशेवरों, नीति-निर्माताओं और उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया और आपस में विचारों को साझा किया। इस मौके पर मुख्य सचिव डॉ सुखबीर सिंह संधू मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। सम्मेलन की शुरुआत मैगा एल्युमनी कनेक्ट के साथ हुई जिसमें यूपीईएस के पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया, जो कि 22 अलग-अलग उद्योग क्षेत्रों से जुड़े हैं। सस्टेनेबिलिटी फेयर 2.0 में कई पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न उद्योग क्षेत्रों से जुड़े दिग्गजों ने उपस्थित लोगों के साथ अपने विचारों को साझा किया। इस मौके पर, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सीकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ के जाने माने वैज्ञानिक अशोक पांडेय, प्रोफेसर एंड चेयर फॉर वॉटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, टैक्नोलॉजिको डी मोंटेरी, मेक्सिको प्रोफे. जुरगन माहलक्नेख्त भी उपस्थित थे। पैनल चर्चा में कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा, आग और पर्यावरण के क्षेत्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर परस्पर सहयोगात्मक सॉल्यूशंस के बारे में विचार-विमर्श किया गया। इसमें सोमनाथ फुलारी, डायरेक्टर, माकीन एनर्जी प्रा. लिमि.,देवेन्द्र गिल, एग्जीक्युटिव डायरेक्टर सेफ्टी, दिल्ली मैट्रो, तथा एसपी गर्ग, पूर्व एग्जीक्युटिव डायरेक्टर, गेल इंडिया प्रा. लिमि. भी शामिल थे। सम्मेलन में अन्य कई गतिविधियां जैसे इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, ओरल एंड पोस्टर पेपर प्रस्तुतियां, प्रदर्शनियां, मॉडल डिस्प्ले तथा पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया जिसमें स्वास्थ्य, सुरक्षा, आग और पर्यावरण से संबद्ध उद्योग, उद्योगपतियों, पूर्व छात्रों, और शिक्षक बिरादरी के योगदान को भी सराहा गया। इसमें रिलायंस, अडानी, टाटा स्टील समेत कई अन्य जानी-मानी कंपनियों के 1000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सस्टेनेबिलिटी फेयर 2.0 स्वास्थ्य, सुरक्षा, आग और पर्यावरण इस लिहाज से काफी सफल आयोजन साबित हुआ कि इसमें भाग लेने वाले विशेषज्ञों और अन्य प्रतिभागियों ने ग्लोबल वैल-बींग के बारे में चर्चा की। यूपीईएस के छात्रों ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक जागरूकता अभियानों का भी आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस कमेटी ने आसपास के स्कूलों में 1500 से अधिक छात्रों के लिए कई छात्र गतिविधियों का आयोजन किया। इसके अलावा, यूपीईएस ने हाल में ऑटोमसफेयरः 2023 का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया।